

[This question paper contains 7 printed pages.]

6350

Your Roll No. ....

LL.B.

AS

V Term

Paper LB-501 – CIVIL PROCEDURE

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately  
on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in  
Hindi; but the same medium should be used  
throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए;  
लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt Five questions including  
Question No. 1 which is compulsory.  
All questions carry equal marks.

अनिवार्य प्रश्न क्रमांक 1 सहित  
पाँच प्रश्न कीजिये।  
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Attempt briefly any four of the following :
  - (a) Grounds for rejection of a plaint
  - (b) Res Subjudice

P.T.O.

(c) Constructive Resjudicata

(d) Notice under S. 80 of CPC

(e) Foreign judgement when not binding (20)

निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(क) वार्दपत्र की अस्वीकृति के आधार

(ख) Res Subjudice

(ग) आन्वयिक पूर्वन्याय

(घ) सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 80 के अन्तर्गत नोटिस

(ङ) विदेशी निर्णय कब आबद्धकर नहीं है

2. (a) Explain the conditions necessary for a civil court to exercise jurisdiction.

(b) (i) 'A' residing in Delhi, Publishes in Calcutta statements defamatory of 'B'. The newspaper is circulated in Bombay, Madras and Hyderabad. Advise 'B' as to place of suing.

(ii) 'A' advances loan of ₹ 60,000 to 'B'. To bring the suit within the jurisdiction of Court x, 'A' sues 'B' for ₹ 50,000 only and obtains a decree. 'A' files a second suit for the balance of ₹ 10,000 in Court x. 'B' raises an objection. Decide in the light of relevant provision of CPC. (20)

(क) अधिकारिता का प्रयोग करने के लिए सिविल न्यायालय हेतु आवश्यक शर्तों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) (i) दिल्ली में रहने वाला A कलकत्ता में B के लिए मानहानिकारक बयान प्रकाशित करता है। समाचार-पत्र का वितरण बम्बई, मद्रास तथा कलकत्ता में होता है। वाद स्थल के बारे में B को सलाह दीजिए।

(ii) A 60,000 रु. B को उधार देता है। वाद को न्यायालय X की अधिकारिता के अन्दर लाने के लिए A, B के विरुद्ध केवल 50,000 रुपए का वाद चलाता है तथा डिक्री प्राप्त कर लेता है। A 10,000 रु. की शेष राशि के लिए न्यायालय X में दूसरा वाद लाता है। B आपत्ति दर्ज करता है। सी. पी. सी. के सुसंगत उपबंध को ध्यान में रखते हुए विनिश्चय कीजिए।

3. (a) Distinguish between Decree, Judgement and Order.

(b) 'A' files a suit in the name and on behalf of his minor ward 'B' against 'C' under O.32. During pendency of the suit 'B' attains majority and seeks your advice for further course of action. Advise 'B'. If 'B' happens to be a Co-plaintiff, does it make any difference? (20)

(क) डिक्री, निर्णय और आदेश के बीच भेद स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'A' आदेश 32 के तहत अपने अवयस्क प्रतिपाल्य (वार्ड) B के नाम से और उसकी ओर से 'C' के विरुद्ध वाद फाइल करता है। वाद के लम्बित रहने के दौरान B वयस्क हो जाता है और अगली कारवाई के लिए आपका परामर्श चाहता है। B को सलाह दीजिए। यदि B सह-वादी हो तो क्या इससे कोई फर्क पड़ेगा ?

4. (a) What are the considerations the civil courts keep in mind while granting or rejecting an application for amendment of pleadings ?

(b) Explain the scope and limitations on inherent powers of the court. (20)

(क) अभिकथनों में संशोधन हेतु अर्जी मंजूर करते या अस्वीकृत करते समय न्यायालय को क्या-क्या विचार करने पड़ते हैं ?

(ख) न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियों की परिब्याप्ति और परिसीमाओं को स्पष्ट कीजिए।

5. 'A' files an Election petition against 'B' challenging the election of 'B' before Election Tribunal. After due service of summons, 'B' files his counter and remains absent. The Tribunal conducts the proceedings exparte and adduces the evidence of the petitioner and three of his witnesses. 'B' appears before the Tribunal

and seeks permission to participate in the proceedings and to set the clock back. Decide with the provisions of statutory law and case law. What is the procedure, if on the otherhand, 'A' does not appear on the date of first hearing and 'B' does appear? (20)

A, B के निर्वाचन को आक्षेपित करते हुए B के विरुद्ध निर्वाचन अधिकरण के समक्ष निर्वाचन याचिका फाइल करता है। समन-पत्रों के उचित तामील होने के बाद B अपना काउंटर फाइल करता है तथा गैर हाजिर रहता है। अधिकरण एकपक्षीय कार्यवाहियां चलाता है तथा याचिकाकर्ता और उसके तीन गवाहों का साक्ष्य पेश कराता है। B अधिकरण के समक्ष हाजिर होता है तथा कार्यवाहियों में भाग लेने की तथा समय को पीछे करने की अनुमति मांगता है। कानूनी विधि के उपबन्धों तथा निर्णय विधि की सहायता से विनिश्चय कीजिए। क्या प्रक्रिया चलेगी यदि दूसरी ओर A प्रथम सुनवाई की तारीख को हाजिर नहीं होता है तथा B हाजिर होता है ?

6. (a) "Power to grant injunction under O.39 is extraordinary in nature and its must be exercised in accordance with sound judicial principles." Explain the principles involved.
- (b) 'A' files a petition for exparte injunction against 'B' restraining him from interfering with the possession of 'A'. Can the court pass exparte injunction? If 'B' breaches the injunction order,

what is the remedy available to 'A'? If 'A' obtained the injunction by suppression of material facts what is the remedy available to 'B'?

(20)

(क) "आदेश 39 के तहत व्यादेश मंजूर करने की शक्ति असाधारण स्वरूप की होती है तथा इसका प्रयोग सम्यक न्यायिक सिद्धान्तों के अनुसार करना होगा।" निहित सिद्धान्तों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) A, B को उसके कब्जे में हस्तक्षेप करने से निर्बन्धित करते हुए B के विरूद्ध एकपक्षीय व्यादेश हेतु याचिका फाइल करता है। क्या न्यायालय एकपक्षीय व्यादेश पारित कर सकता है? यदि B व्यादेश आदेश भंग करता है तो A को क्या उपचार सुलभ हैं? यदि A ने तात्त्विक तथ्यों को दबाते हुए व्यादेश प्राप्त किया तो B को क्या उपचार प्राप्त हैं?

7. (a) Differentiate between an Ordinary suit and a Summary suit. Explain the grounds on which leave to defend will be granted by the court in a Summary suit?

(b) Explain the significance of ADR under S. 89 of CPC in disposing civil cases. (20)

(क) एक साधारण वाद और संक्षिप्त वाद के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए। उन आधारों को स्पष्ट कीजिए जिन पर संक्षिप्त वाद में न्यायालय द्वारा प्रतिवाद करने की इजाजत मंजूर की जाएगी।

(ख) सिविल केसों के निपटारा करने में सी. पी. सी. की धारा 89 के तहत ADR की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

8. (a) Reference, Review and Revision are various remedies provided under CPC to cater to different situations. Bring out the distinctions between them.

(b) What is meant by 'substantial question of law'? Is it necessary to be of general importance? Give your answer in the light of decided cases.

(20)

(क) निर्देश, पुनर्विलोकन और पुनरीक्षण विभिन्न स्थितियों से निपटने के लिए सी. पी. सी. के तहत प्रदत्त विभिन्न उपचार होते हैं। उनके बीच विभेद को स्पष्ट कीजिए।

(ख) "विधि का सारवान प्रश्न" से क्या अभिप्राय है? क्या इसका सार्वजनिक महत्व का होना जरूरी है? विनिश्चित केसों को ध्यान में रखते हुए अपना उत्तर दीजिए।